Teacher's Manual

PARAKH BOOKS
Big Ideas Simply Explained

व्याकरण गौरव

(अभ्यास पुस्तिका सहित)

- उमा शर्मा
- शैफाली जैन

Book-1	 2
Book-2	 6
Book-3	11
Book-4	19
Book-5	29

व्याकरण-1

1 भाषा : बोलना, लिखना, सुनना और पढना

1. स्वयं करें। **2.** स्वयं करें।

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv)

2 बोली कैसी-कैसी

1.

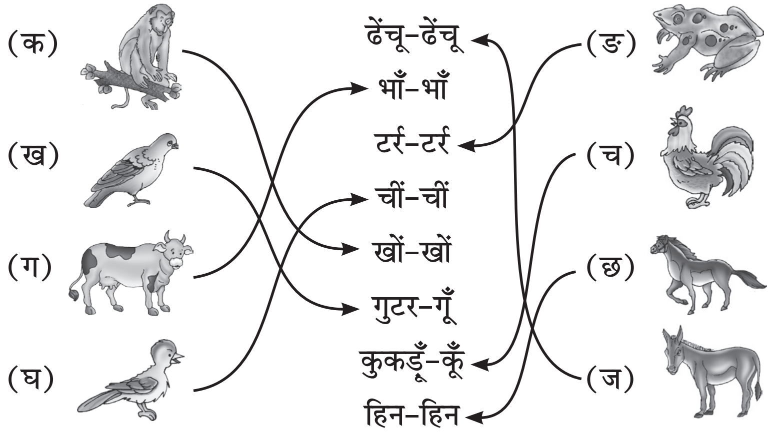

2. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (iii)

3 वर्णमाला

1.

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

व्यंजन

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट

ठ ड ढ ण त थ द ध न प फ

ब भ म य र ल व श ष स ह

2. **स्वर–** अ, ए, ई, आ, इ, उ, ऋ।
व्यंजन– प, स, ल, ट, क, ह, भ, ष, ख, च, ग, घ, फ, ल, श, व, य, न, ठ, ड, ढ।
3. (क) (i) (ख) (iv) (ग) (ii)

4 मात्राएँ : स्वरों के चिह्न

1. (क) आम (ख) सेब (ग) पपीता (घ) लीची (ङ) मौसमी
(च) खरबूजा (छ) केला (ज) अंगूर (झ) संतरा
2. (क) मोर (ख) खरगोश (ग) हिरन (घ) फूल
3. (क) माला (ख) गिलास (ग) गाय (घ) पपीता
4. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii)

5 शब्द और वाक्य

1. (ख) र + थ = रथ (ग) म + ट + र = मटर
(घ) ब + त + ख = बतख (ङ) कि + सा + न = किसान
(च) क + छु + आ = कछुआ
2. (क) शब्द (ख) अर्थ (ग) वाक्य (घ) दो
3. (ख) यह एक वृक्ष है। (ग) यह एक बकरी है। (घ) यह एक ऊँट है।
(ङ) यह एक कुत्ता है। (च) यह एक मोर है। (छ) यह एक रेल है।
(ज) यह एक फूल है।
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv)

6 संज्ञा : नाम वाले शब्द

1.

प्राणी	**वस्तु**	**फल**	**फूल**	**वाहन**
तितली	पुस्तक	संतरा	गुलाब	रथ
आदमी	बल्ला	अनार		कार
कबूतर				स्कूटर
लड़की, औरत कोयल				

2. (ख) पुनीत (ग) घोड़े, सड़क (घ) सविता, घर
(ङ) मछलियाँ, नदी (च) बच्चे, स्कूल
3. (क) मेज (ख) पुस्तक (ग) कार
(घ) ताला (ङ) फुटबाल

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓
5. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iv)

7 लिंग : आदमी-औरत

1. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (iv) (घ) (vi)
   (ङ) (ii) (च) (vii) (छ) (i)
2. (क) दौड़ती, दौड़ता (ख) टूट, फट (ग) गिरा, गिरी
   (घ) बड़ी, छोटा (ङ) गयी, गया
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

8 वचन : एक-अनेक

1. (क) एक (ख) एक से अधिक (ग) एक से अधिक
   (घ) एक (ङ) एक (च) एक से अधिक
2. (क) कुत्ते (ख) तितलियाँ (ग) बच्चे
   (घ) बच्चे (ङ) पेड़ों
3. (क) एकवचन (ख) बहुवचन
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)
5. स्वयं करें।

9 सर्वनाम : सभी नामों के लिए

1. तुम, यह, आप, मैंने, ये, उसने, वे, कुछ
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iv)

10 विशेषण : विशेषता बताने वाले

1. (क) गोल (ख) बूढ़ा (ग) अच्छे (घ) मीठा (ङ) हरी
2. (क) गुब्बारे रंगीन हैं। (ख) हाथी मोटा है। (ग) गुलाब लाल है।
3. (क) (ii) (ख) (i)

11 क्रिया : काम बताने वाले शब्द

1. स्वयं करें।

2. (क) गरजते (ख) तैरती (ग) दहाड़ता (घ) चहचहाती
(ङ) रेंगता (च) बहती

3. (क) बच्चे खेलते हैं। (ख) अमित पढ़ता है।
(ग) हर्ष नहा रहा है। (घ) पानी बहता है।
(ङ) अंशिका दौड़ रही है। (च) अजय गाना गाता है।
(छ) कोयल मीठा बोलती है। (ज) मैं फल खाता हूँ।

4. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (i)

12 पत्र लेखन

1. स्वयं करें।
2. (क) (iii) (ख) (i)

13 कहानी लेखन

1. स्वयं करें।
2. (क) (i) (ख) (iii)

14 चित्रकथा लेखन

स्वयं करें।

15 निबंध-लेखन

1. स्वयं करें।
2. (क) (i) (ख) (iv) (ग) (iii)

व्याकरण-2

1 भाषा तथा इसके रूप

1. (क) बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपनी बातों को दूसरों को समझाना या दूसरों की बातों को समझना ही भाषा कहलाता है।
   (ख) भाषा के दो रूप होते हैं।
   (ग) भाषा का वह रूप जिसमें हम लिखकर अपनी बात दूसरों को समझाते हैं तथा पढ़कर दूसरों की बात समझते हैं, लिखित भाषा कहलाती है।
2. (क) हिंदी (ख) अंग्रेजी (ग) तेलुगु (घ) मलयालम
3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓
4. (क) बोलकर (ख) अनेक (ग) दो
   (घ) 14 सितंबर (ङ) हिंदी, अंग्रेजी
5. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv)

2 वर्ण तथा वर्णमाला

1. (क) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को वर्ण कहते हैं।
   (ख) वर्ण दो प्रकार के होते हैं– स्वर तथा व्यंजन।
   (ग) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी को वर्णमाला कहते हैं।
   (घ) जिन्हें बोलने में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती, स्वर कहलाते हैं। हिन्दी वर्णमाला में 11 स्वर होते हैं।
   (ङ) जिन वर्णों को बोलने के लिए दूसरे वर्णों (स्वरों) की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। व्यंजन 33 होते हैं।
2. (क) स् + इ + च् + अ + न् + आ (ख) न् + आ + च् + अ + न् + आ
   (ग) प् + ऊ + ज् + अ + न् + आ (घ) द् + औ + ड् + अ + न् + आ
   (ङ) ख् + ए + ल् + अ + न् + आ (च) प् + अ + ढ् + अ + न + आ
3. (क) भालू नाच रहा है — भालू नाच रहा है।
   (ख) लड़के खेल रहे हैं — लड़के खेल रहे हैं।
4. मच्छर फल पुस्तक चिड़िया मगरमच्छ अमरूद
5. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
6. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv)

3 मात्राएँ

1. (क) बदलाव (ख) हिरन (ग) दीपक
   (घ) गुलाब (ङ) सूरज
2. (क) रूप (ख) मात्रा (ग) नीचे
   (घ) भालू (ङ) कृषक
3. 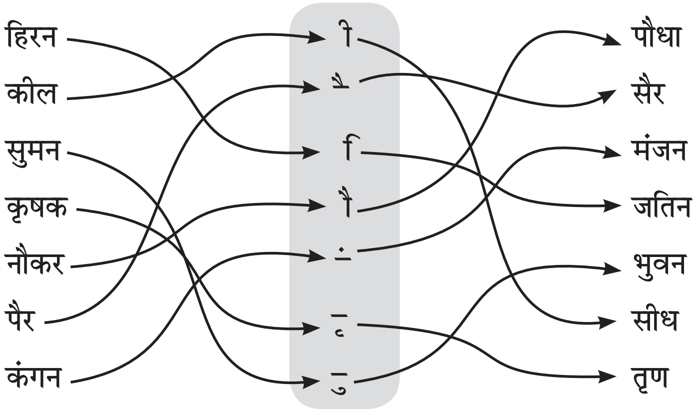

4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

4 संज्ञा : नाम वाले शब्द

1. (क) एक रात राजा बन बैठा,
   सपने में नन्हा-सा सोनू।
   और हवा में दौड़ लगाता,
   साइकिल पर चढ़कर सोनू।

   (ख) पंछी बन आकाश में उड़ना,
   कितना प्यारा लगता है।
   सपनों की नगरी में पल-पल,
   जग से न्यारा लगता है।
2. डॉक्टर (✓) गुलाम (✓) मैं हाथ (✓) मटर (✓)
   विद्यालय (✓) सुनना देखना किसान (✓) चॉकलेट (✓)
3. (क) तारे (ख) नदी (ग) ताजमहल (घ) मिठाई
   (ङ) कुत्ता (च) मोर (छ) बालक (ज) हिरन
4. (क) आम सेब (ख) आलू टमाटर
   (ग) ताजमहल लालकिला (घ) लोहा पीतल
   (ङ) बांसुरी ढोलक (च) गंगा जमुना
5. (क) (i) (ख) (iv) (ग) (ii)

5 लिंग

1.	भाई	**बहन**	पड़ोसी	**पड़ोसिन**	राजा	**रानी**
	घोड़ा	**घोड़ी**	बेटा	**बेटी**	नाना	**नानी**
2.	दादी	**दादा**	मौसी	**मौसा**	चुहिया	**चूहा**
	लड़की	**लड़का**	देवी	**देवता**	बहन	**भाई**

3. **पुरुष जाति (पुल्लिंग)** — **स्त्री जाति (स्त्रीलिंग)**

पुरुष जाति		स्त्री जाति	
देवता	लड़का	पड़ोसिन	मुर्गी
राजा	मामा	मोरनी	नानी
चूहा	चाचा, भाई	घोड़ी	दादी, माता

4. (क) लिंग (ख) दो (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग
5. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

6 वचन : एक या एक से अधिक

1.	लड़का	**एकवचन**	केले	**बहुवचन**	बच्चे	**बहुवचन**
	रास्ता	**एकवचन**	संतरे	**बहुवचन**	पत्ता	**एकवचन**
2.	पुस्तक	**पुस्तकें**	मेज	**मेजें**	सड़क	**सड़कें**
	गेंद	**गेंदें**	बुढ़िया	**बुढ़ियाँ**	साड़ी	**साड़ियाँ**
3.	बाजे	**बाजा**	बच्चे	**बच्चा**	दरवाजे	**दरवाजा**
	घोड़े	**घोड़ा**	मेजें	**मेज**	गेंदें	**गेंद**

4. (क) वचन (ख) दो (ग) एकवचन (घ) बहुवचन
5. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

7 सर्वनाम : सभी नामों के स्थान पर

1. (क) मैं (ख) यह (ग) तुम (घ) ये
   (ङ) वे (च) तुम

2.

नाम वाले शब्द	**नाम के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द**
पंखा, झोंपड़ी, बंदूक,	वे, ये, वह, अपना,
केला, आम, कमल,	तुम्हारा, तुम, हम, यह
बच्चा, कानपुर, किताब	

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv)

8 विशेषण : विशेषता बताने वाले शब्द

1. (क) नीली (ख) मोटा (ग) हरा (घ) ऊँचा (ङ) कमजोर
(च) मीठी (छ) ठण्डी (ज) पीला (झ) रंग-बिरंगे

2. (क) लाल (ख) मीठा (ग) साफ (घ) शुद्ध (ङ) गोल

3.

विशेषण	**संज्ञा शब्द**
काला	कौआ
हरा	वृक्ष
ताजा	भोजन
सफेद	दूध
लाल	गाजर
ऊनी	वस्त्र
हरी	चूड़ियाँ
लंबी	कूद
सीधी	गाय
चालाक	लोमड़ी

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv)

9 क्रिया : काम बताने वाले शब्द

1. वे शब्द जिनसे किसी कार्य या घटना होने का पता चलता है, क्रिया कहलाते हैं।

2. (क) तैर रहा (ख) दौड़ (ग) पढ़ (घ) सो रहा
(ङ) कूद (च) खाना खा

3. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (ii)

10 विलोम शब्द : उल्टे अर्थ वाले शब्द

1. हँसना बड़ा दोष अन्त मरण उत्तर
बुरा प्रकाश निर्धन सायं सरल उथला

2. (क) (iv) (ख) (v) (ग) (viii) (घ) (vi) (ङ) (iii)
(च) (ii) (छ) (ix) (ज) (vii) (झ) (i)

3. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (ii)

11 पर्यायवाची शब्द : समान अर्थ वाले शब्द

1. (क) पर्यायवाची (ख) आकाश (ग) सूरज (घ) चंद्रमा (ङ) महिला
2. (क) (iv) (ख) (i)

12 मुहावरे : विशेष अर्थ वाले शब्द-समूह

1. (क) चुगली करना (ख) भाग जाना (ग) प्यार से मिलना
   (घ) बहुत प्यारा (ङ) गुस्सा दिखाना, डराना, मना करना
2. (क) मुहावरा (ख) दोस्ती करना
   (ग) बहुत दिनों बाद दिखाई देना (घ) मर जाना
   (ङ) सब जगह बात फैला देना
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv)

13 पत्र लेखन

1. स्वयं करें।
2. (क) (i) (ख) (i)

14 कहानी लेखन

स्वयं करें।

15 निबंध लेखन

स्वयं करें।

व्याकरण-3

1 भाषा और व्याकरण

1. (क) बोलकर, लिखकर, सुनकर अथवा पढ़कर विचारों अथवा भावों का आदान-प्रदान भाषा कहलाता है।
   (ख) लिखकर दूसरों को समझाने वाली तथा पढ़कर समझने वाली भाषा, लिखित भाषा कहलाती है।
   (ग) मुख से बोली जाने वाली तथा कानों से सुनी जाने वाली भाषा मौखिक भाषा कहलाती है।
   (घ) किसी भाषा को ध्वनि-चिह्नों द्वारा प्रकट करना लिपि कहलाता है।
   (ङ) किसी भाषा को बोलने, लिखने और पढ़ने के नियम व्याकरण कहलाते हैं।
2. (क) भाष (ख) लिखित, मौखिक (ग) मौखिक
   (घ) लिखित (ङ) व्याकरण (च) लिपि
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2 वर्ण और वर्णमाला

1. (क) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि वर्ण या अक्षर कहलाती है।
   (ख) ध्वनियों के मिलने से भाषा बनती है।
   (ग) जिन वर्णों को बोलने में किसी दूसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती, उन्हें स्वर कहते हैं।
   (घ) जिन वर्णों को बोलने में दूसरे वर्णों (स्वरों) की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।
   (ङ) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी को वर्णमाला कहते हैं।
   (च) दो व्यंजनों से बने ऐसे व्यंजन जिनकी मूल पहचान बिल्कुल समाप्त हो जाए, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं।
2. **स्वर–** ऋ, आ, औ, ऐ, अ, ई।
   व्यंजन– थ, ह, र, स, य, ब, फ, ध, ग।
3. (क) वर्ण (ख) अक्षर (ग) स्वरों
   (घ) वर्णमाला (ङ) संयुक्त व्यंजन

4. (क)	क्षत्रिय	अक्षर	चक्षु
(ख)	त्रिशूल	त्रिज्या	त्रिभुज
(ग)	ज्ञान	ज्ञानवान	अज्ञान
(घ)	श्रमिक	आश्रम	श्रीमान

5. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗

6. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

3 स्वरों की मत्राएँ

1. (क) व्यंजनों के बाद जब स्वरों का प्रयोग किया जाता है, तो उनका रूप बदल जाता है। स्वरों के इस बदले रूप को मात्रा कहते हैं।
   (ख) मात्राओं का प्रयोग व्यंजनों के साथ किया जाता है।
   (ग) **अयोगवाह–** अं, अँ, अः। **अं –** अंगूर, अंग, अंबर।
   अँ– आँख, चाँद, बूँद। **अः –** प्रातः, शनैः, पुनः।
   (घ) मात्राएँ चार प्रकार से लगाई जाती हैं।

2.

मात्रा		**शब्द**	
ि	किला	मिलाप	हिरन
ौ	पौधा	सौदा	नौका
ी	खीरा	हाथी	पीला
ा	माला	दादा	छाता
ु	कछुआ	बटुआ	कुँआ
ो	मोर	शोर	घोड़ा

3. (क) मात्रा (ख) निश्चित (ग) अ
   (घ) अयोगवाह (ङ) स्वर

4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

5. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

4 शब्द और वाक्य

1. (क) वर्णों का ऐसा समूह जिसका कोई अर्थ निकलता हो, शब्द कहलाता है।
   (ख) **सार्थक–** वर्णों को मिलाकर बने शब्द, जिनका कोई–न–कोई अर्थ अवश्य होता है, सार्थक शब्द कहलाता है।
   निरर्थक– जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, निरर्थक शब्द कहलाते हैं।

(ग) शब्दों का ऐसा समूह जिसका कोई अर्थ हो, उसे वाक्य कहते हैं।
(घ) **उद्देश्य–** वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं।
विधेय– वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, उसे विधेय कहते हैं।

2. सम्राट आग उपवन मानव
बुढ़ापा आकाश चुहिया आदमी

3. व्यंजन (✓) गाजर (✓) बरगद (✓)
परेकार तरबुज (✓) पपीता (✓)
कीतार्ब सैनिक (✓) चिनी
वानी आइसक्रीम (✓) आँख (✓)

4. (क) कोयल मीठे स्वर में गाती है। (ख) बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।
(ग) मम्मी खाना बना रही हैं। (घ) दादी कहानी सुना रही हैं।
(ङ) बच्चे परिवार के साथ टी॰वी॰ देख रहे हैं।

5. (क) वर्ण (ख) शब्द (ग) सार्थक (घ) निरर्थक (ङ) पाँच

6. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iv)

5 संज्ञा : नाम

1. (क) किसी वस्तु, प्राणी, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
(ख) किसी विशेष, व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
(ग) जिन शब्दों से संपूर्ण जाति का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
(घ) किसी भाव, प्राणी, वस्तु के गुण–दोष या दशा का ज्ञान कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे– बुढ़ापा, जवानी आदि।

2. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (iii)

6 लिंग : स्त्री या पुरुष

1. (क) स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।
(ख) लिंग के दो भेद होते हैं– पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।
पुल्लिग– शेर **स्त्रीलिंग–** शेरनी।
(ग) जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उन्हें पुल्लिग कहते हैं।
(घ) जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

2.	पुल्लिग	स्त्रीलिंग	वाक्य
	कवि	**कवयित्री**	**महादेवी वर्मा एक महान् कवयित्री थीं।**
	लेखक	**लेखिका**	**अपराजिता लेख की लेखिका की भाषा सरल थी।**
	अध्यापक	**अध्यापिका**	**छात्र गणित की अध्यापिका से डरते हैं।**
	प्रधानाचार्य	**प्रधानाचार्या**	**हमारी प्रधानाचार्या अनुशासन प्रिय थीं।**
	बालक	**बालिका**	**स्कूल में बालक-बालिकाएँ मिल-जुलकर पढ़ते हैं।**
	पुत्र	**पुत्री**	**मेरी पुत्री पढ़ने में होशियार है।**

3. **स्त्रीलिंग–** गिलहरी, चिड़िया, लोमड़ी, तितली, मछली, मक्खी।
पुल्लिग– उल्लू, कीड़ा, चमगादड़, बगुला, चील, कौआ।
4. (क) दो (ख) पुल्लिग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिग (ङ) स्त्रीलिंग
5. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

7 वचन : नामों की संख्या

1. (क) शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं– एकवचन तथा बहुवचन।

2.	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	बहुवचन	बहुवचन
	एकवचन	बहुवचन		एकवचन	बहुवचन
3.	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	एकवचन	बहुवचन
	बहुवचन	एकवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन

4.	मेलें	रातें	पुस्तकें	औरतें
	मालाएँ	वधुएँ	मिठाईयाँ	घड़ियाँ

5. (क) संख्या (ख) एकवचन (ग) बहुवचन
(घ) एकवचन (ङ) बहुवचन
6. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

8 सर्वनाम

1. (क) जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
(ख) सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं।
(ग) जिन सर्वनामों से हमें किसी निश्चित व्यक्तियों या वस्तुओं का पता चलता है, उन्हें संकेतवाचक सर्वनाम कहते हैं।

(घ) जिन सर्वनाम शब्दों का दूसरे सर्वनाम शब्दों से संबंध होता है तथा जो दो वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।

2. (क) तुम (ख) मैं (ग) वे (घ) मैं (ङ) कोई

3.

	सर्वनाम	भेद		सर्वनाम	भेद
(क)	क्या	प्रश्नवाचक	(ख)	अपने आप	निजवाचक
(ग)	स्वयं, अपना	निजवाचक	(घ)	हमें	पुरुषवाचक
(ङ)	जो, सो	संबंधवाचक			

4. मुझे अपनी पुस्तक पढ़ने के लिए दे दो।
अपना काम स्वयं करना चाहिए।
उन्होंने अपना काम अपने आप बिगाड़ लिया।
मोहन ने उसे चोट पहुँचाई है।
वहाँ कोई खड़ा है।

5. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗

6. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i)

9 विशेषण

1. (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।
(ख) विशेषण के चार भेद होते हैं।
(ग) विशेषण जिन शब्दों की विशेषता बताता है, उसे विशेष्य कहते हैं; जैसे– सुंदर मोर– सुंदर विशेषण है और मोर विशेष्य है।
(घ) (1) वह तोता है। (2) यह सविता का घर है।
(3) वे लोग दिल्ली जा रहे हैं। (4) ये दूधिया गाँव से आता है।

2. **मीठी** लीची **हरी** सब्जियाँ **एक दर्जन** केले **लंबा** मगरमच्छ
चालाक भेड़िया **सुंदर** मोर **ऊँची** कुतुबमीनार **काली** कोयल

3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

10 क्रिया : काम बताने वाले शब्द

1.

पढ़ना

खेलना

पकाना

नाचना

पीना

खाना

2. (क) सतीश पौधों को पानी <u>दे</u> रहा है।
(ख) दादीजी पलंग पर आराम <u>कर</u> रही हैं।
(ग) खेत में फसल <u>उग</u> रही है।
(घ) नौकरानी कपड़े <u>धो</u> रही है।
(ङ) कमरे में बल्ब <u>जल</u> रहा है।

3. (क) खा (ख) खिल (ग) पढ़ा (घ) जा (ङ) बैठी

4. **जीतना–** राम ने आज हॉकी का मैच जीता।
मिलना– राम को पुरस्कार मिला।
खिलाना– माँ बच्चे को खाना खिला रही है।
बढ़ना– मनीष पढ़ाई में सबसे आगे बढ़ गया है।
लिखना– गौरव अपना कार्य डायरी में लिख रहा है।
चढ़ना– बन्दर पेड़ पर चढ़ रहा है।
नाचना– सीता बहुत अच्छा नाचती है।
पीना– मोहन दूध पीकर ताकतवर हो गया है।

5. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (i)

11 विलोम शब्द : विपरीत अर्थ वाले शब्द

1. एक दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

2.

हार	**जीत**	सच	**झूठ**
परिश्रमी	**आलसी**	कायर	**बहादुर**
हल्का	**भारी**	स्वस्थ	**अस्वस्थ**
एक	**अनेक**	सुंदर	**कुरूप**
मोटा	**पतला**	रात	**दिन**
प्रश्न	**उत्तर**	पास	**दूर**
काला	**गौरा**	अमीर	**गरीब**

3.

चतुर	→	बेवकूफ, (✓)	मूर्ख,	बुद्धिमान
प्रशंसा	→	तारीफ,	निंदा, (✓)	बुराई
आकाश	→	परलोक,	पाताल, (✓)	जमीन
कायर	→	डरपोक,	बहादुर, (✓)	वीर
उजाला	→	अँधकार,	अँधेरा, (✓)	प्रकाश

4. रंगीन छपे शब्दों का विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों से खाली स्थान भरिए–
(क) पश्चिम, अस्त (ख) अनेक (ग) कायर
(घ) जल्दी (ङ) जीत (च) दिन

5. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

12 पर्यायवाची शब्द : समान अर्थ वाले शब्द

1. पर्वत — गिरी, नग
   मेघ — धन, वारिद
   खग — विहग, पंछी

2. (क)	पेड़ →	वृक्ष, (✓)	खग,	पर्वत
(ख)	माँ →	समीर,	जननी, (✓)	पिता
(ग)	गगन →	पवन,	नभ, (✓)	नग
(घ)	कुसुम →	सूर्य,	पुष्प, (✓)	रवि
(ङ)	रजनी →	शशि,	सदन,	रात्रि (✓)

3. (क) परिश्रम (ख) वस्त्र (ग) वायु
   (घ) ईश्वर (ङ) जननी
4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
5. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (iii)

13 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. (क) (ii) (ख) (v) (ग) (iv) (घ) (iii) (ङ) (i)
2. (क) वार्षिक (ख) चिकित्सक (ग) अनाथ (घ) आलसी
   (ङ) किसान
3. अमर **जो कभी न मरे।** दैनिक **प्रतिदिन होने वाला।**
   धोबी **जो कपड़े धोने का काम करे।** डरपोक **जो डरता हो।**
   हलवाई **जो मिठाई बनाता हो।** विदेशी **विदेश में रहने वाला।**
   सुनार **जो गहने बनाता हो।** मांसाहारी **जो मांस खाता हो।**
4. जहाँ पुस्तकें रखी जाती हैं — **पुस्तकालय**
   विद्या प्राप्त करने वाला — **विद्यार्थी**
   जो कभी न मरे — **अमर**
   जो परिश्रम करता हो — **परिश्रमी**
   जो फल, सब्जी खाता हो — **शाकाहारी**
   अपने देश की वस्तु — **स्वदेशी**
   महीने में एक बार होने वाला — **मासिक**
   जो किसी से न डरे — **निडर**
5. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
6. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)

14 मुहावरे

1. (क) मोहित अपने माता–पिता की आँखों का तारा है।
(ख) चूहों ने लोगों की नाकों में दम कर रखा है।
(ग) रोहित के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सभी ने उसकी पीठ थपथपाई।
(घ) बाप अपनी बेटी की शादी करके घोड़े बेच कर सोता है।
(ङ) चोर सिपाही को देखकर नौ दो ग्यारह हो गया।
(च) मोहन तो बहुत बेशर्म है, उसे कुछ भी कहो, उसके कान पर जूँ नहीं रेंगती।
(छ) सोहन ने मोहन से अपने पैसे माँगे तो उसने अँगूठा दिखा दिया।

2. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (v) (घ) (ii) (ङ) (iii)

3. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)

15 अशुद्धियाँ

1. अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं।

2.

अशुद्ध	**शुद्ध**	**अशुद्ध**	**शुद्ध**
परणाम	**परिणाम**	रूपया	**रुपया**
मुर्ख	**मूर्ख**	दुरघटना	**दुर्घटना**
सरीर	**शरीर**	प्रमात्मा	**परमात्मा**
किरोध	**क्रोध**	आस्चर्य	**आश्चर्य**
निरदय	**निर्दय**	पिरथवी	**पृथ्वी**
अध्यन	**अध्ययन**	म्रग	**मृग**

3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii)

16 पत्र लेखन

1. स्वयं करें।

2. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (ii)

17 निबंध लेखन

1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iv)

18 कहानी लेखन

1. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iv)

व्याकरण-4

1 भाषा और व्याकरण

1. (क) अपने मन के भाव दूसरों तक पहुँचाने के लिए जिस साधन का प्रयोग किया जाता है, उसे भाषा कहते हैं।
   (ख) **मौखिक रूप–** भाषा का वह रूप जिसमें बोलकर तथा सुनकर विचारों का आदान–प्रदान किया जाता है, मौखिक रूप कहलाता है।
   लिखित रूप– भाषा का वह रूप जिसमें लिखकर तथा पढ़कर विचारों का आदान–प्रदान किया जाता है, लिखित रूप कहलाता है।
   (ग) वर्णों को लिखने की विधि को लिपि कहते हैं।
   (घ) भाषा को शुद्ध रूप से लिखना, बोलना और पढ़ना व्याकरण कहलाता है। व्याकरण के तीन विभाग होते हैं।
   (ङ) भारत में बोली जाने वाली आठ भाषाएँ इस प्रकार हैं– असमिया, गुजराती, तेलुगु, तमिल, मराठी, मलयालम, हिंदी और बांग्ला।
2. (क) मौखिक (ख) 22 (ग) देवनागरी (घ) बोलना या कहना
   (ङ) शब्द (च) शुद्ध (छ) शब्द, वाक्य
3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓
4. (क) (iv) (ख) (iv) (ग) (ii)

2 वर्ण-विचार

1. (क) भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण या अक्षर कहलाती है।
   (ख) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।
   (ग) **स्वर–** वे वर्ण जिनके उच्चारण में मुख से निकलने वाली ध्वनि में कोई रुकावट नहीं आती, उन्हें स्वर कहते हैं। स्वर 11 होते हैं; जैसे– अ, उ, इ आदि।
   व्यंजन– व्यंजनों को बोलने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है। व्यंजन 33 होते हैं; जैसे– म, झ आदि।
   (घ) दो व्यंजनों के मिलने से संयुक्त व्यंजन बनते हैं। इनके संयुक्त होने पर एक नया स्वरूप बनता है। संयुक्त व्यंजन चार होते हैं।
   क्ष = क् + ष, त्र + त् + र, ज्ञ = ज + ञ, श्र = श् + र

2.	(क)	गंगा	(ख)	रजाई	(ग)	विद्यालय	(घ)	बासमती	

3.

टक	सूय	कम	मग	टेन
ट्रक	**सूर्य**	**क्रम**	**मृग**	**ट्रेन**

4.

(क)	ग्यारह	सज्जन	पत्थर
(ख)	पक्का	हफ्ता	कच्चा
(ग)	छुट्टी	लड्डू	चिह्न

5. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (iv)

3 शब्द विचार

1. (क) दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

(ख) शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(1) अर्थ के आधार पर, (2) उत्पत्ति के आधार पर,

(3) रचना के आधार पर, (4) प्रयोग के आधार पर।

(ग) अर्थ के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–

(1) सार्थक शब्द, (2) निरर्थक शब्द।

(घ) **विकारी शब्द–** ऐसे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन तथा कारक आदि के अनुसार परिवर्तन आ जाता है, विकारी शब्द कहलाते हैं।

अविकारी शब्द– ऐसे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन तथा कारक आदि के अनुसार कोई परिवर्तन नहीं होता है, अविकारी शब्द कहलाते हैं।

2. कटहल सरकस दहन नगर नहर टहल

3.

तत्सम शब्द	**तद्भव शब्द**	**विदेशी शब्द**
गौ, सूर्य	गाय, सूरज	कॉलेज, क्रिकेट
रात्रि	रात	स्टेशन

4.

कार्य	**काम**	मुख	**मुँह**
अग्नि	**आग**	मित्र	**दोस्त**
आम्र	**आम**	रात्रि	**रात**
दधि	**दही**	घृत	**घी**
दंत	**दाँत**	चंद्रमा	**चाँद**

5.

शिव + आलय	**शिवालय**	रेल + यात्रा	**रेलयात्रा**
चिड़िया + घर	**चिड़ियाघर**	मेघ + दूत	**मेघदूत**
वर्ष + गाँठ	**वर्षगाँठ**	टिकट + घर	**टिकटघर**
रेल + गाड़ी	**रेलगाड़ी**	ना + समझ	**नासमझ**

6. (क) शब्द (ख) विदेशी (ग) योगरूढ़
(घ) अविकारी (ङ) लम्बे पेटवाला अर्थात् गणेश

7. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (iii)

4 वाक्य-विचार

1. (क) शब्दों का सार्थक एवं क्रमबद्ध समूह वाक्य कहलाता है।
(ख) वाक्य के दो अंग होते हैं– (1) उद्देश्य, (2) विधेय।
(ग) वाक्य निम्नलिखित चार प्रकार के होते हैं–

वाक्य	उदाहरण	
1. साधारण वाक्य	अजय खेलता है।	वे पुस्तक पढ़ते हैं।
2. नकारात्मक वाक्य	अजय नहीं खेलता है।	वे पुस्तक नहीं पढ़ते हैं।
3. प्रश्नवाचक वाक्य	क्या अजय खेलता है?	क्या वे पुस्तक पढ़ते हैं?
4. आज्ञार्थक वाक्य	अजय खेलो।	वे पढ़ें।

2. (क) राम कक्षा चार में पढ़ता है। (ख) गाय के दो सींग होते हैं।
(ग) राम ने रावण का वध किया। (घ) क्या तुम दोनों घूमने जाते हो?
(ङ) दिव्या और रानी आज मेला जाएँगे। (च) हर्ष मेरे साथ दौड़ता है।

3.

	उद्देश्य	विधेय		उद्देश्य	विधेय
(क)	बच्चे	खेल रहे हैं।	(ख)	राम	दिल्ली जाता है।
(ग)	वह	कौन है?	(घ)	विद्यार्थी	पुस्तक पढ़ेंगे।
(ङ)	आज	स्कूल नहीं खुलेगा?	(च)	ईश्वर	को याद रखना चाहिए।
(छ)	तारे	रात में टिमटिमा रहे थे।			

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

5. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

5 संज्ञा

1. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– गौरव, आकाश, बचपन आदि।
(ख) संज्ञा पाँच प्रकार की होती है– (1) व्यक्तिवाचक (2) जातिवाचक, (3) भाववाचक (4) द्रव्यवाचक (5) भाववाचक।
(ग) जो शब्द किसी व्यक्ति अथवा वस्तु के गुण, दोष तथा स्थिति आदि भावों को प्रकट करता है, भाववाचक संज्ञा कहलाता है।

2. (क) अशोक, मगध	(ख) दिल्ली	(ग) लालकिला, किसान
(घ) पेड़, फल	(ङ) आकाश, हवाई जहाज	(च) कक्षा, बच्चे, शोर
(छ) बचपन, स्वभाव		

3. **व्यक्तिवाचक संज्ञा**	**जातिवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**
इलाहाबाद, गाँधीजी यमुना	मेज, अध्यापक, देश, बच्चा, भीड़, सेना	बुद्धिमान, मेहनत, दया पुराना, बुढ़ापा, क्रोध

4. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii)

6 वचन

1. (क) शब्द के जिस रूप से उसकी संख्या एक या अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।

(ख) वचन दो प्रकार के होते हैं– (1) एकवचन, (2) बहुवचन।

(ग) प्राण, आँसू, दर्शन, हस्ताक्षर आदि।

2. (क) रातें (ख) चीजों (ग) लड़कें (घ) लड़कियाँ

3. महिला	**महिलाएँ**	बकरी	**बकरियाँ**
वधुएँ	**वधू**	चुहिया	**चुहियाँ**
पुस्तक	**पुस्तकें**	मुर्गा	**मुर्गे**
स्त्रियाँ	**स्त्री**	आँखें	**आँख**
चीता	**चीते**	कौए	**कौआ**
4. आँसू	प्राण	हस्ताक्षर	दर्शन
5. मालाएँ	**माला**	गायें	**गाय**
महीने	**महीना**	स्त्रियाँ	**स्त्री**
वधुएँ	**वधू**	मोटे	**मोटा**
गुड़ियाँ	**गुड़िया**	बच्चे	**बच्चा**

6. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (iii)

7 लिंग

1. (क) शब्द का वह रूप जो पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराता है, लिंग कहलाता है।

(ख) लिंग दो प्रकार के होते हैं।

(ग) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का वह रूप, जो यह बताता है कि वह पुरुष जाति का है, पुल्लिग कहलाता है; जैसे– गायक, सेठ, शेर आदि।

(घ) संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का वह रूप जो यह बताता है कि वह स्त्री जाति का है, स्त्रीलिंग कहलाता है; जैसे– गायिका, सेठानी, शेरनी आदि।

2.	नानी	**स्त्रीलिंग**	बस	**पुल्लिंग**
	देव	**पुल्लिंग**	गीदड़	**पुल्लिंग**
	छात्रा	**स्त्रीलिंग**	नल	**पुल्लिंग**
	बकरी	**स्त्रीलिंग**	बेटी	**स्त्रीलिंग**
3.	बालक	**बालिका**	छोटा	**छोटी**
	नर	**नारी**	मीठा	**मीठी**
	धोबी	**धोबिन**	हरा	**हरी**
	ऊँट	**ऊँटनी**	लंबा	**लंबी**

4. (क) स्त्री, पुरुष (ख) स्त्रीलिंग, पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग
(घ) पुल्लिंग (ङ) स्त्रीलिंग

5. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii)

8 सर्वनाम

1. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे– यह, ये, वह, वे, हम, तुम, कौन, जैसा आदि।

(ख) सर्वनाम के छः भेद होते हैं– (1) पुरुषवाचक, (2) संकेतवाचक, (3) अनिश्चयवाचक, (4) प्रश्नवाचक (5) संबंधवाचक, (6) निजवाचक।

(ग) जो सर्वनाम संज्ञा अथवा दूसरे सर्वनामों का परस्पर संबंध जोड़ते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहा जाता है; जैसे– जो जैसा करेगा, वह वैसा ही पाएगा।

(घ) जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चित ज्ञान होता है, उन्हें संकेतवाचक सर्वनाम कहा जाता है; जैसे– यह घड़ी उसकी नहीं है।

2. (क) उसकी (ख) वे (ग) अपना (घ) क्या
(ङ) तू

3.	**एकवचन**	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
	मैं	**हम**	तेरा	**तुम्हारा**
	उस	**उन्हें**	वह	**वे**
	मुझसे	**हमसे**	यह	ये
	इसे	**इन्हें**	उसको	उनको

4.	(क) मैं	स्वयं	आप	कोई	खुद
	(ख) जैसा	वैसा	जिसकी	कुछ	जो
	(ग) कोई	उस	कुछ	मुझ	जैसा
	(घ) कुछ	तुझे	कोई	कौन	वे
	(ङ) वह	मैं	कौन	कोई	क्या

5. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
(ङ) ✓ (च) ✗

6. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (ii)

9 विशेषण

1. (क) जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं, जैसे– कोई, सुंदर, चार मीटर आदि।
   (ख) विशेषण के चार भेद हैं– (1) गुणवाचक, (2) संख्यावाचक, (3) परिमाणवाचक, (4) सार्वनामिक।
   (ग) जो शब्द संज्ञा शब्दों की माप तोल का बोध कराते हैं, परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं। इसके दो भेद हैं।

2.

गुणवाचक	**संख्यावाचक**	**परिमाणवाचक**	**सार्वनामिक**
आलसी, नुकीला	तैंतीस, तीन	एक मीटर, 200 ग्राम	वह, वे, यह
हरा, मधुर,	पाँच	15 किमी, सात लीटर	ये, कोई
मोटा, दुर्गंध		28 ग्राम, एक ग्रुस,	
		एक दर्जन	

3.

विशेषण	**विशेष्य**
कठोर	लोहा
दो मीटर	टेरीकोट
साँवले	कृष्ण
प्रसिद्ध	ताजमहल

विशेषण	**विशेष्य**
रंगीन	टी०वी०
नरम	कोट
बनारसी	साड़ी
सुगंधित	फूल
चालाक	कौआ

4. (क) गोल (ख) मधुर (ग) अच्छे (घ) भारी
(ङ) मोटा (च) सुंदर (छ) पाँच (ज) हरी

5. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iv)

10 क्रिया

1. (क) जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का ज्ञान हो, उन्हें क्रिया कहते हैं।
   (ख) क्रिया की रचना तीन प्रकार से होती है–
   (1) धातु से– क्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है। पढ़, लिख आदि मूल धातु हैं।
   (2) संज्ञा से– संज्ञा शब्दों द्वारा भी क्रिया बनाई जाती है; जैसे– हाथ – हथियाना, अकड़ – अकड़ना।
   (3) विशेषण द्वारा– विशेषण द्वारा भी क्रिया का निर्माण होता है; जैसे– टिमटिम – टिमटिमाना, गरम – गरमाना।
   (ग) मुख्यत: क्रिया दो प्रकार की होती है।
   (घ) जिस क्रिया के साथ कर्म होता है, वह सकर्मक क्रिया कहलाती है और जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता, वह अकर्मक क्रिया कहलाती है।
2. (क) लिखती (ख) लाई (ग) जाती (घ) दौड़ता (ङ) करता
3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
4. (क) (iv) (ख) (ii) (ग) (ii)

11 विलोम शब्द

1. (क)

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
हानि	**लाभ**	स्वर्ग	**नरक**	गुण	**दोष**
आशा	**निराशा**	गिरना	**उठना**	हार	**जीत**
बड़ा	**छोटा**	शुभ	**अशुभ**	रोना	**हँसना**
अमृत	**विष**	पाप	**पुण्य**	अच्छा	**बुरा**

2.

शब्द	विलोम
(क) स्वामी	मूर्ख
(ख) स्वर्ग	असत्य
(ग) कोमल	नरक
(घ) सत्य	कठोर
(ङ) विद्वान	सेवक

3. (क) दिन (ख) विष (ग) हानि (घ) बड़ा (ङ) रोकर
4. (क) काला अंधेरा अंधकार (✓) (ख) ताजा ठंडा (✓) बासी
   (ग) निराशा (✓) उदासी परेशान (घ) डरपोक बुजदिल कायर (✓)
   (ङ) नफरत घृणा (✓) अप्रेम

12 पर्यायवाची शब्द

1. समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं; जैसे– सर्प, साँप, भुजंग। ये सभी साँप के पर्यायवाची शब्द हैं।

2.

शब्द	पर्यायवाची
(क) मेघ	औरत
(ख) महिला	रत्नाकर
(ग) सागर	गिरि
(घ) पर्वत	घन
(ङ) वायु	अंबु
(च) नीर	समीर
(छ) धरा	कुसुम
(ज) पुष्प	भूमि

3. (क) तनया (ख) वाना (ग) आत्मजा
(घ) कपि (ङ) नग (च) पद्म

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)

13 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1. (क) अमित उत्तीर्ण हो गया है। (ख) अजय वक्ता है।
(ग) निधि आस्तिक है। (घ) कोयल मृदुभाषी है।

2.

वाक्यांश	एक शब्द
(क) सत्य बोलने वाला	दावानल
(ख) जिस स्त्री का पति मर गया हो	ऊषा
(ग) ईश्वर में विश्वास रखने वाला	अजातशत्रु
(घ) जिसे कोई भय न हो	सत्यवादी
(ङ) जो पढ़ा–लिखा न हो	निर्भय
(च) वर्ष में एक बार होने वाला	अनपढ़
(छ) वन की आग	विधवा
(ज) सूर्योदय के पूर्व का समय	वार्षिक
(झ) जिसका कोई शत्रु न हो	आस्तिक

3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

14 विराम चिह्न

1. विराम–चिह्नों से वक्ता या लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने में आसानी होती है। इनके प्रयोग से अर्थ का अनर्थ नहीं होने पाता।
2. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (v) (घ) (ii)
   (ङ) (i) (च) (vi)
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

15 अशुद्धि शोधन

1. (क) शुरू (ख) अधीन (ग) कुमुदिनी
   (घ) सामाजिक (ङ) शून्य
2. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗
   (ङ) ✗ (च) ✓ (छ) ✓ (ज) ✓

16 मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ

1. (क) चुगली करना या गलत बात कहना
   अनमोल कल ऑफिस में बॉस से मोहित के प्रति कान भर रहा था।
   (ख) धोखा देना
   चोर पुलिस की आँखों में धूल झोंक कर भाग गया।
   (ग) अधिक परिश्रमी
   अच्छी फसल उगाने के लिए किसान को सारा दिन कोल्हू का बैल बनना पड़ता है।
   (घ) ललचाना
   धन को देखकर बड़े-से-बड़े आदमियों के मुँह में पानी आ जाता है।
   (ङ) सफल न होना
   रोहन पूरे दिन सरकारी दफ्तर में अपना काम करवाने में लगा रहा परंतु उसकी दाल नहीं गली।
2. (क) (viii) (ख) (vii) (ग) (v) (घ) (ii)
   (ङ) (vi) (च) (iv) (छ) (i) (ज) (iii)

17 अपठित गद्यांश

1. परीक्षा कक्ष का दृश्य बड़ा नाटकीय होता है जो कार्य–कलाप, तनाव, हँसी–मजाक और राहत से परिपूर्ण होता है।
2. प्रश्न–पत्र बँटने से पहले परीक्षार्थी अपने नोट्स पढ़ने या कुछ बड़बड़ाने में लगे हैं। कुछ अन्य अपने अनुमानों का अस्फुट स्वर में उच्चारण कर रहे हैं।
3. उन परीक्षार्थियों के चेहरे आशा और आत्मविश्वास से दमकते हैं जिन्होंने नियमित अध्ययन किया है और जो प्रश्न–पत्र में पूछे जाने वाले किसी भी प्रश्न को हल करने में सक्षम हैं।
4. अधीक्षक ने सभी से अपनी किताबें और कोई भी अन्य लिखित सामग्री सौंप देने को कहा।
5. परीक्षा कक्ष का दृश्य।

18 अनुच्छेद लेखन

स्वयं करें।

19 कहानी लेखन

स्वयं करें।

20 पत्र लेखन

स्वयं करें।

21 निबंध लेखन

स्वयं करें।

व्याकरण-5

1 भाषा और व्याकरण

1. (क) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम बोलकर, लिखकर, सुनकर, पढ़कर या अन्य किसी माध्यम से अपने विचारों का परस्पर आदान–प्रदान करते हैं।
   (ख) किसी भाषा को जिन संकेत–चिह्नों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है, उसे लिपि के नाम से जाना जाता है।
   (ग) भाषा का बिगड़ा हुआ स्वरूप ही बोली कहलाता है।
   (घ) व्याकरण वह ग्रंथ है जिसके द्वारा हम भाषा को शुद्ध लिखना, शुद्ध पढ़ना तथा शुद्ध बोलना सीखते हैं।
2. (क) लिखित (ख) चित्रात्मक (ग) लिपि
   (घ) व्याकरण (ङ) बोलियाँ
3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗
4. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2 वर्ण-विचार

1. (क) भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके पुनः टुकड़े न हो सकें, वर्ण कहलाती है।
   (ख) वर्णों की क्रमबद्ध सारणी को वर्णमाला कहते हैं।
   (ग) जिन वर्णों को बोलने में मुख से निकली वायु में कोई रूकावट नहीं होती, उन्हें स्वर कहते हैं। स्वर के तीन भेद होते हैं।
   (घ) जिन वर्णों को बोलने में मुख से निकलने वाली वायु में कोई रूकावट अवश्य होती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। इन्हें स्वरों की सहायता से बोला जाता है। व्यंजन दो प्रकार के होते हैं–**1.** स्वर–रहित व्यंजन **2.** स्वर–सहित व्यंजन।
2. ट् + ट = ट्ट → **खट्टा, पट्टा** ह् + य = ह्य → **फाह्यान, बाह्य**
   द् + व = द्व → **द्वार, द्वेष** ज् + ञ = ज्ञ → **ज्ञान, विज्ञान**
   क् + ष = क्ष → **क्षत्रिय, कक्ष** ह् + न = ह्न → **चिह्न, चिह्नित**
   न् + न = न्न → **अन्न, आसन्न** द् + ध = द्ध → **उद्धार, प्रसिद्ध**

क् + त = क्त → रक्त, वक्त   त् + र = त्र → मित्र, चित्र

श् + र = श्र → श्रम, श्रमिक   द् + द = द्द → उद्देश्य, खुद्दार

3. द् + व् + आ + र् + आ = द्वारा

ग् + अ + अं + ग् + आ = गंगा

उ + द् + ध + आ + र् + अ = उद्धार

म् + औ + ल् + इ + क् + अ = मौलिक

क् + ऋ + ष् + अ + क् + अ = कृषक

4. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (v) (घ) (ii) (ङ) (i)

5. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i)

3 शब्द विचार

1. (क) वर्णों का ऐसा समूह जिसका एक निश्चित अर्थ होता है, शब्द कहलाता है।

(ख) शब्द को चार आधारों पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

2.

रूढ़	**यौगिक**	**योगरूढ़**
हाथी, घोड़ा, डेविड	विद्यार्थी, सज्जन, दूरदर्शन विद्यालय, राष्ट्रपति	पंकज, लंबोदर

3.

विकारी शब्द	**अविकारी शब्द**
मेज, चलना लड़का	में, पर, धीरे, सुंदर आह, वह, तेज, ऊपर

5. (क) पीले हैं वस्त्र जिसके – कृष्ण (ख) नीला है कण्ठ जिसका – शिवजी

(ग) दस हैं मुख जिसके – रावण (घ) कीचड़ में रहने वाला – कमल

6. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (i)

4 संज्ञा

1. (क) किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं; जैसे– गाँधीजी, मेज, मेरठ, बचपन आदि।

(ख) संज्ञा के पाँच भेद हैं।

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा–** जवाहरलाल नेहरू, मेरठ आदि।
2. **जातिवाचक संज्ञा–** शेर, पक्षी आदि।
3. **भाववाचक संज्ञा–** बचपन, जवानी आदि।
4. **समूहवाचक संज्ञा–** सेना, कक्षा आदि।
5. **द्रव्यवाचक संज्ञा–** ताँबा, दूध आदि।

2.	हिंसक	**हिंसा**	स्वस्थ	**स्वास्थ्य**	शत्रु	**शत्रुता**
	पराया	**परायापन**	युवा	**यौवन**	थकना	**थकावट**
	लूटना	**लूट**	शिशु	**शैशव**	मधुर	**मधुरता**
	रक्षक	**रक्षा**				

3. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

4. (क) (i) (ख) (iii)

5 संज्ञा के विकार

1. (क) संज्ञा के जिस रूप से उसके संख्या में एक या एक से अधिक बताने वाले शब्द वचन कहलाते हैं; जैसे– कन्या – कन्याएँ, लड़का – लडके आदि।

(ख) वचन के दो भेद होते हैं– (1) एकवचन, (2) बहुवचन।

(ग) वचन की पहचान मुख्यत: दो प्रकार से होती है– संज्ञा या सर्वनाम के द्वारा तथा क्रिया के द्वारा।

2.	**एकवचन**		**बहुवचन**	
	कविता	तिथि	कन्याएँ	कमरें
	बात	वर्षा	बुढ़ियाँ	आँसू
	हवा	प्रण	दर्शन	हस्ताक्षर
	पानी	आकाश		

3.	विद्यार्थी	**विद्यार्थीगण**	मजदूर	**मजदूर वर्ग**
	गुरु	**गुरुजन**	नेता	**नेतागण**
	अध्यापक	**अध्यापकवृंद**	तुम	**तुम लोग**
4.	गायें	**गाय**	दिये	**दिया**
	सड़कें	**सड़क**	सुइयाँ	**सुई**
	साँसें	**साँस**	झाड़ियाँ	**झाड़ी**
	बहुएँ	**बहू**	तौलिये	**तौलिया**

5. (क) एक (ख) एकवचन (ग) बहुवचन
(घ) सर्वनाम (ङ) बहुवचन

6. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

6 लिंग

1. (क) शब्द का वह रूप जो पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध कराता है, लिंग कहलाता है; जैसे– लड़का, लड़की आदि।

(ख) लिंग के दो भेद होते हैं– पुल्लिंग, स्त्रीलिंग।

पुल्लिंग– शेर, हिरन आदि। **स्त्रीलिंग–** अध्यापिका, लड़की आदि।

2.
कवि	**कवयित्री**	साम्राज्ञी	**सम्राट**
देवता	**देवी**	मालिक	**मालकिन**
नौकरानी	**नौकर**	धोबिन	**धोबी**
वृद्ध	**वृद्धा**	शेरनी	**शेर**
मामा	**मामी**		

3.
पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
सुत, दर्शक	विद्वान, मच्छर, सेवक	जेठानी	इंद्राणी
भाग्यवान, क्षत्रिय	भवदीय, विधुर	तितली	सुता

4. (क) बंदरिया (ख) माता जी (ग) कवयित्री (घ) मजदूरनी (ङ) अध्यापिका (च) रानी

5. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

7 कारक

1. (क) वाक्य में किसी शब्द का दूसरे शब्द से संबंध बताने वाले चिह्न कारक या परसर्ग कहलाते हैं।
   (ख) कारक के आठ भेद होते हैं।
   (ग) वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं तथा वाक्यों में शब्दों के साथ जब कारक जुड़ जाते हैं, तो उन्हें शब्द न कहकर पद कहते हैं।

2.
पर	**अधिकरण**	के लिए	**संप्रदान**	से	**करण, अपादान**
की	**संबंध**	अरे	**संबोधन**	में	**अधिकरण**

3. (क) से (ख) के (ग) से (घ) में (ङ) ने, से

4.
के द्वारा	**मेरा पैसा मनीऑर्डर के द्वारा भेज देना।**
को	**राम ने रावण को मारा।**
ने	**निधि ने खाना बनाया।**
अरे	**अरे! सुशील इधर आओ।**
में, ने	**पैसे जेब में हैं। शिकारी ने हिरन को मारा।**
का, की	**यह पेन अमित का है। यह गाय सुरभि की है।**
के लिए	**पिताजी रोमा के लिए फ्रॉक लाए।**
से	**पक्षी पेड़ से उड़ गए।**

5. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (iv)

8 सर्वनाम

1. (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे– मैं, हम, वह, उसका आदि।

   (ख) सर्वनाम के छः भेद हैं–

   1. **पुरुषवाचक सर्वनाम–** जो सर्वनाम शब्द बोलने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग किए जाते हैं, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे– मैं, वह, तुम।

      पुरुषवाचक के तीन भेद होते हैं–

      (क) उत्तम पुरुष– मैं, हम (बात करने वाला)

      (ख) मध्यम पुरुष– तू, तुम, अन्य (बात सुनने वाला)

      (ग) अन्य पुरुष– वह, वे (अन्य पुरुष)

   2. **निश्चयवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चित ज्ञान होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– यह, वह, ये, वे आदि।

   3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनाम शब्दों से किसी वस्तु या व्यक्ति का निश्चित ज्ञान न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कुछ, कोई, किसने आदि।

   4. **प्रश्नवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– कौन, क्या, कहाँ आदि।

   5. **संबंधवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञाओं तथा दूसरे सर्वनामों को परस्पर जोड़ने के लिए किया जाता है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– जिसकी, उसकी, जैसा, वैसा आदि।

   6. **निजवाचक सर्वनाम–** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग अपने लिए किया जाता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– अपने आप, स्वयं, अपना, खुद आदि।

2. (क) उसका – संबंधवाचक (ख) उसकी – संबंधवाचक

   (ग) उसने – संबंधवाचक (घ) उसकी – संबंधवाचक

   (ङ) क्या – प्रश्नवाचक

3. (क) आप (ख) ये (ग) अपना (घ) क्या
(ङ) वह (च) उसका

4. (क) (iv) (ख) (i) (ग) (iii)

9 विशेषण

1. (क) विशेषण उस शब्द को कहते हैं जो किसी संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता प्रकट करे; जैसे– यह छोटा पुल है, इसमें 'छोटा' शब्द पुल की विशेषता बता रहा है।

(ख) विशेषण शब्द जिन शब्दों की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं; जैसे– मेरा कोट नया है। यहाँ नया विशेषण है जो कोट की विशेषता बता रहा है। इस प्रकार कोट विशेष्य है।

(ग) विशेषण के चार भेद होते हैं– 1. गुणवाचक विशेषण, 2. संख्यावाचक विशेषण, 3. परिमाणवाचक विशेषण, 4. संकेतवाचक विशेषण।

2. (क) गुणवाचक (ख) गुणवाचक (ग) गुणवाचक
(घ) गुणवाचक (ङ) गुणवाचक

3.

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
मेरठ	**मेरठी**	राष्ट्र	**राष्ट्रीय**
बनारस	**बनारसी**	इराक	**इराकी**
समाज	**सामाजिक**	जाति	**जातीय**
रेत	**रेतीला**	कानपुर	**कानपुरिया**
मुरादाबाद	**मुरादाबादी**	अमेरिका	**अमेरिकी**
नेपाल	**नेपाली**	पर्वत	**पर्वतीय**

4.

विशेषण	विशेष्य
(क) स्वाभीभक्त	नौकर
(ख) प्राचीन	मंदिर
(ग) सुंदर	खिलौना
(घ) चतुर	लोमड़ी
(ङ) तीखी	गंध
(च) मीठी	लीची
(छ) काली	बिल्ली
(ज) दयालु	गौतम

5. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

10 क्रिया

1. (क) जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे क्रिया कहते हैं; जैसे– दौड़ना, चलना, नाचना आदि।
   (ख) क्रिया के दो भेद हैं– (1) सकर्मक क्रिया, (2) अकर्मक क्रिया।
   (1) सकर्मक क्रिया– वाक्य में जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– राहुल पतंग उड़ाता है, यहाँ पतंग है कर्त्ता का प्रभाव इसी पर पड़ रहा है।
   (2) अकर्मक क्रिया– वाक्य में जिस क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग नहीं होता है, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे– सोनम हँसती है, यहाँ वाक्य में कोई कार्य नहीं है, क्रिया का प्रभाव कर्त्ता पर ही पड़ रहा है।
   (ग) क्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है।
2. (क) सकर्मक क्रिया (ख) अकर्मक क्रिया (ग) सकर्मक क्रिया
   (घ) सकर्मक क्रिया (ङ) सकर्मक क्रिया (च) अकर्मक क्रिया
3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

11 काल

1. काल तीन प्रकार के होते हैं–
   1. वर्तमान काल– जिस समय कोई क्रिया हो रही है या होती है, उस समय वह वर्तमान काल में होती है; जैसे– तुम यहाँ क्यों बैठे हो?, हम टी०वी० देख रहे हैं।
   2. **भूतकाल–** क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि कार्य पूरा हो चुका है, वह भूतकाल कहलाता है; जैसे– मैंने लाल किला देखा था, मैं नानी के घर गया था।
   3. **भविष्यत् काल–** क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि क्रिया आने वाले समय में होगी, उसे भविष्यत् काल कहते हैं; जैसे– आज से मैं सच बोलूँगा। कल मामाजी आएँगे।
2. (क) आई है (ख) छुड़ाए (ग) पिएगा (घ) मनाई
   (ङ) चमकेगा (च) गाती
3. (क) बच्चे दौड़ रहे थे। (ख) बादल गरज रहे थे।
   (ग) गाय बाहर खड़ी थी। (घ) वर्षा हो रही थी।

4. (क) भविष्यत् (ख) क्रिया के होने का समय (ग) तीन
(घ) तीन (ङ) वर्तमान

5. (क) (iii) (ख) (iv) (ग) (ii)

12 अविकारी शब्द

1. (क) वाक्य के जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक आदि के परिवर्तन से कोई परिवर्तन नहीं होता, वे अविकारी शब्द होते हैं।
(ख) अविकारी शब्द के चार भेद हैं।
(ग) वाक्य के जिस शब्द से क्रिया की विशेषता का बोध होता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं; जैसे– कछुआ धीरे-धीरे चलता है। तुम इधर आओ।
(घ) क्रिया-विशेषण के चार भेद होते हैं।

2. (क) इधर-उधर (ख) के अंदर (ग) जल्दी-जल्दी
(घ) धीरे-धीरे (ङ) प्रतिदिन

3.

	क्रिया-विशेषण	भेद
(क)	जितना, उतना	परिमाणवाचक
(ख)	बाद	कालसूचक
(ग)	झटपट	कालसूचक
(घ)	अब	रीतिवाचक
(ङ)	इधर-उधर	स्थानवाचक

4. (क) के कारण (ख) के अलावा (ग) पास
(घ) हर जगह (ङ) जगह

5.

	संबंधबोधक	क्रिया-विशेषण
(क)	के सामने	
(ख)		पहले
(ग)		अब तक
(घ)	के मारे	
(ङ)	से बाहर	

6. (क) अरे! (ख) वाह! (ग) वाह!
(घ) हाय! (ङ) अरे! (च) छिः!

7. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

13 वाक्य

1. (क) शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है।
   (ख) वाक्य को दो आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।
   (ग) अर्थ के आधार पर वाक्य 8 प्रकार के होते हैं–
   1. साधारण वाक्य 2. प्रश्नवाचक वाक्य 3. आज्ञावाचक वाक्य
   4. निषेधवाचक वाक्य 5. इच्छावाचक वाक्य 6. संदेहवाचक वाक्य
   7. संकेतवाचक वाक्य 8. विस्मयादिबोधक वाक्य

2.

	उद्देश्य	विधेय		उद्देश्य	विधेय
(क)	अनिता	खेल रही है।	(ख)	दादाजी	अखबार पढ़ रहे हैं।
(ग)	निधि	ने गाना गाया।	(घ)	मम्मी	चाय बना रही हैं।
(ङ)	हरीश	पास हो गया।			

3. (क) मैं शायद आपके साथ जाऊँगा।
   (ख) अरे! तुम कल आए मुझे पता नहीं चला।
   (ग) यदि तुम परिश्रम करते तो सफल अवश्य होते।
   (घ) क्या भगवान तुम्हारा भला करेगा?

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

14 शब्द-भंडार

1.

घृणा	**प्यार**	अग्रज	**अनुज**
अपना	**पराया**	स्वच्छ	**अस्वच्छ**
कृतज्ञ	**कृतघ्न**	स्वस्थ	**अस्वस्थ**
अनाथ	**सनाथ**	चतुर	**मूर्ख**
उपकार	**अपकार**		

2.

दिन	**दिवस**	**प्रभात**	**दिवा**	**बासर**
वृक्ष	**पेड़**	**तरु**	**विटप**	**पादप**
अँधेरा	**तम**	**तिमिर**	**कालिमा**	**अंधियारा**

3.

मुद्रा	**सिक्का**	**मुख**	अर्थ	**धन**	**मतलब**
नग	**पर्वत**	**नगीना**	गति	**चाल**	**मोक्ष**
अंबर	**आकाश**	**अंबर**	शून्य	**खाली**	**अभाव**

4. (क) (vii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (iii)
(ङ) (vi) (च) (viii) (छ) (ii) (ज) (v)

5. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iv)

15 मुहावरे और लाकोक्तियाँ (कहावतें)

1. (क) अपनी बुराई दिखाई न देना– सबको सदाचार का उपदेश देते फिरते हो अपने बेटे की करतूत देखो तब पता चलेगा कि यहाँ तो चिराग तले अँधेरा ही अँधेरा है।
(ख) जी ललचाना– बाजार में जलेबी बनती देख मेरे मुँह में पानी आ गया।
(ग) मूर्ख– अक्ल का अंधा किसी की बात नहीं सुनता।
(घ) डराना– पिता के आँख दिखाते ही सब बच्चे शांत हो गए।
(ङ) सावधान हो जाना– घर में खुसफुसाहट सुनकर रोहित के कान खड़े हो गए।

2. (क) (v) (ख) (viii) (ग) (vii) (घ) (vi)
(ङ) (iii) (च) (iv) (छ) (i) (ज) (ii)

3. (क) ईद का चाँद (ख) मक्खी मारना
(ग) हाथ मिलाना (घ) चार चाँद लगाना

16 विराम चिह्न

1. (क) अरे! तुम तो बहुत अच्छे हो।
(ख) माँ, मैं भी तुम्हारे साथ जाऊँगी।
(ग) डॉ० साहब पापा से मिलने आए।
(घ) मजदूर दिन-रात काम क्यों करता है?
(ङ) सोनू, मोनू बाजार नहीं गए।

2. योजक चिह्न → (-)
अर्ध विराम → (;)
निर्देशक → (–)
विस्मयादिबोधक → (!)
लाघव → (०)
उद्धरण → (“……”)

3. एक छोटी बच्ची अपनी मम्मी से तरह–तरह के सवाल किया करती थी। एक दिन उसने पूछा– मम्मी सेब और नाशपाती में क्या अच्छा है? गुलाब का फूल अच्छा होता है या बेला का? गेंद अच्छी होती है या गुड़िया?
मम्मी बेटी के प्रश्नों पर हैरान थीं। किसी को ज्यादा अच्छा कहना सही उत्तर तो नहीं था। उन्होंने बेटी से एक सवाल किया तुम बताओं कि सूरज अच्छा है या आकाश? यदि तुम बता दो तो मैं तुम्हारे सभी प्रश्नों का उत्तर दे दूँगी।
बेटी सोच में पड़ गई। उसके लिए यह कह पाना मुश्किल था कि सूरज अच्छा है या आकाश। दोनों ही तो बहुत सुंदर थे। इसके बाद वह छोटी बच्ची समझ गयी कि इस प्रकार के प्रश्नों के उत्तर नहीं दिए जा सकते।
4. (क) शास्त्री जी ने कहा– "जय जवान, जय किसान।"
(ख) जो काम मैं आज पूरा नहीं कर सकता हूँ; वह कल पूरा कर लूँगा।
(ग) मजदूर दिन–रात मेहनत करते हैं।
(घ) डॉ० रस्तौगी बहुत अच्छा इलाज करते हैं।
6. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

17 अपठित गद्यांश

1. एक नेमिनाथ जी का और दूसरा आदिनाथ जी का।
2. नेमिनाथ जी के मंदिर में सोने की मूर्ति है।
3. तीर्थंकर आदिनाथ जी के मंदिर में संगमरमर की कलाकृतियाँ हैं।
4. नेमिनाथ जी का मंदिर।
5. तीर्थंकर आदिनाथ जी का मंदिर।
6. बड़ा– तीर्थंकर आदिनाथ जी का मंदिर विशाल है।
सुंदर– नेमिनाथ जी का मंदिर अंदर से बहुत आकर्षक है।
अद्भुत– इन मंदिरों में अपूर्व मूर्तियाँ थीं।
तुलना– आदिनाथ जी का मंदिर नेमिनाथ जी के मंदिर की अपेक्षा बड़ा था।
चित्रकारी– इन मंदिरों की कलाकृतियाँ आकर्षक थीं।
7. स्वयं करें।
8. स्वयं करें।

18 संवाद लेखन

स्वयं करें।

19 कहानी लेखन

स्वयं करें।

20 पत्र लेखन

स्वयं करें।

21 निबंध लेखन

स्वयं करें।